PRABHAAT KHABAR

Issue date : 17th August 2010

स्टेम सेल

बचायेगा कैंसर के मरीजों को

संवाददाता

पटना : स्टेम सेल के जरिये कैंसर जैसी असाध्य बीमारियों से भी मरीजों को बचाया जा सकता है. हालांकि इसका कीमोथेरेपी से इलाज हो रहा है, लेकिन इससे कैंसर का कोष खत्म नहीं होता है. मरीज के शरीर से खराब कोषों को निकाल कर स्टेम सेल दिये जाने पर उसे पूरी तरह स्वस्थ किया जा सकता है. ये बातें कोलकाता स्थित संस्थान कॉर्डलाइफ ब्लड बैंक के डॉक्टर प्रशांत चौधरी ने प्रभात खबर से विशेष बातचीत में कहीं.

एनरोलमेंट कराना जरूरी

कॉर्डलाइफ अंतरराष्ट्रीय स्तर का

स्टेम सेल बैंक है. यहां स्टेम सेल को

डॉ प्रशांत चौधरी

-45 डिग्री सेल्सियस तापमान में संरक्षित रखा जाता है. बैंक से जुड़ने के लिए लोगों को पहले एनरोलमेंट कराना होता है. इसके बाद एनरोलमेंट कराने वालों के घर में बच्चा जन्म लेता है, तो बच्चे की नाड़ी से निकलने वाले ब्लड से स्टेम सेल जमा किया जाता है, जो करीब एक फीसदी होता है. यह सेल 45 वर्षों तक सुरक्षित रहता है. इस बैंक से उन लोगों को ही स्टेम सेल उपलब्ध कराया जाता है, जिनका इस बैंक में एनरोलमेंट होता है. इसके लिए इन्हें प्रतिमाह चार्ज देना पड़ता है. उम्र बढ़ने के साथ लोगों के शरीर में कोष कम होता जाता है व दूसरा कोष भी नहीं बनता है. वहीं, बच्चे के जन्म के समय सबसे अधिक स्टेम सेल निकलता है. इससे थैलेसीमिया, कैंसर के सभी प्रकार, एनीमिया, ब्रेन ट्यूमर आदि बीमारियों का निदान किया जा सकता है.